Disclaimer

The Institute has given the right of translation of the material in hindi and is not responsible for the quality of the translated version. While due care has been taken to ensure the quality of the original material. If any errors or omissions are noticed in Hindi then kindly refer with English version.

© The Institute of Chartered Accountants of India

Ikkij&5 mPprj y`[kkdu

Hkkx&1 eb] 2019 dh ijh{kk e` ykxw gksus okyh rFkk ykxw u gksus okyh mn?kks"k.kk,¡

v- <u>eb] 2019 dh ijh{kk e` ykxw</u>

I कम्पनी अधिनियम, 2013 की अनुसूची III (खण्ड–1) में संशोधन

कम्पनी अधिनियम, 2013 की धारा 467 उपखण्ड (1) में प्रतिपादित अधिकार का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार ने अनुसूची III (खण्ड 1) में निम्न संशोधन शासकीय गजट में प्रकाशित करने की तारीख से लागू होंगे:

(अ) शीर्षक के अन्तर्गत ''II सम्पत्तियाँ'' उप–वाक्य'' ''गैर–चालू सम्पत्तियां'' के अन्तर्गत ''स्थायी सम्पत्तियों'' के लिए ''सम्पत्ति, प्लाण्ट तथा संयत्र'' द्वारा प्रतिस्थापित किया जायेगा।

(ब) ''नोट्स'' में चिट्ठा तैयार करने के लिए सामान्य निर्देश पैराग्राफ 6 में,

(I) बी,शीर्षक के अन्तर्गत ''संचय एवं आधिक्य'' मद (1) का उप–वाक्य (सी) 'संचय' शब्द हटाया गया।

(II) धारा (W) में 'स्थायी सम्पत्तियां' के लिए संपत्ति, प्लाण्ट तथा संयत्र द्वारा प्रतिस्थापित किया जायेगा।

II) o`/kkfud rjyrk vuqikr **(SLR)** dk vuqj{k.k

cSfdx fofu;eu vf/kfu;e] 1949 dh /kkjk 24 vkSj /kkjk 56&**HTM** Js.kh e` **SLR** dh gksfYMax vkSj **SLR** dk vuqj{k.k

14 अक्टूबर, 2017 से शुरू होने वाले पखवाड़े से बैंकों की वैधानिक तरलता अनुपात (SLR) की आवश्यकता को उनकी शुद्ध मांग और समय देयताओं (NDTL) के 20 प्रतिशत से कम करके 19.5 प्रतिशत करने का निर्णय लिया गया है जैसा कि चौथी द्वि–मासिक मौद्रिक नीति विवरण 2017–18 में 4 अक्तूबर, 2017 को घोषित किया गया। इससे संबंधित अधिसूचना है DBR No. Ret. BC. 91/12.02.001/2017-18 दिनांक अक्तूबर 4, 2017.।

वर्तमान में, बैंकों को एचटीएम श्रेणी के तहत कुल निवेश के 25 प्रतिशत की सीमा पार करने की अनुमति दी जाती है बशर्ते एस एल आर प्रतिभूतियों में शामिल आधिक्य और एच टी एम श्रेणी में रखी गई कुल एस एल आर प्रतिभूतियां एनडीटीएल के 20.5प्रतिशत से अधिक नहीं है। SLR होल्डिंग पर इस सीमा का संरक्षित करने के लिए चरणबद्ध तरीके से इसकी सीमा 20.5 प्रतिशत से

© The Institute of Chartered Accountants of India

घटाकर 19.5 प्रतिशत करने का निर्णय लिया गया है अर्थात् 31 दिसम्बर 2017 तक 20 प्रशित और 31 मार्च 2018 तक 19.5 प्रतिशत।

मौजूदा निर्देश के अनुसार, बैंक वर्ष में एक बार निदेशक मंडल के अनुमोदन के साथ HTM से / के साथ निवेशों में बदलाव कर सकता है और इस प्रकार के बदलाव को सामान्यतया लेखांकन वर्ष के प्रारम्भ में अनुमति दी जाएगी। उपरोक्त पैरा 3 में बताए गए निर्देशों की अनुपालना करने के लिए बैंकों को HTM श्रेणी से अतिरिक्त SLR प्रतिभूतियों को AFS/HFT में बदलने योग्य बनाने के लिए यह तय किया गया है कि अतिरिक्त प्रतिभूतियों के स्थानांतरण और HTM श्रेणी से प्रत्यक्ष बिक्री की अनुमति दी जाए। यह लेखांकन वर्ष के शुरू में अर्थात् अप्रैल माह में स्वीकृत बदलाव के अतिरिक्त होगा। AFS/HT श्रेणी मे ंहस्तांतरण के साथ–साथ HTM श्रेणी से प्रतिभूतियों की बिक्री, जहां तक नियामक निर्देशों के अनुसार HTM श्रेणी में SLR प्रतिभूतियों को कम करने के लिए आवश्यक हैं तो बिक्री मूल्य के लिए निर्धारित 5 प्रतिशत कैंप से बाहर रखा जाएगा और बैंको द्वारा निवेश पोर्टफोलियों के वर्गीकरण, मूल्यांकन और संचालन के लिए प्रूडेंशियल मानदंडो पर मास्टर परिपत्र के परिच्छेद 2.3 (ii) के तहत एचटीएम श्रेणी से / प्रतिभूतियों के स्थानांतरण।

III) udn dks"k vuqikr **(CRR)** dk vuqj{k.k

भारतीय रिजर्व बैंक ने अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों के लिए नकद कोष अनुपात CRR को 25 आधार अंकों से घटाकर (अपने शुद्ध मांग और समय देयताओं NDTL के) 4.25 प्रतिशत से 4.00 प्रतिशत करने का निर्णय 9 फरवरी, 2013 से शुरू होने वाले पखवाड़े से लागू करते हुए लिया है (परिपत्र सं. DBOD नं Ret.BC. 72/12.01.001/2012-13 दिनांक जनवरी 29, 2013)। स्थानीय क्षेत्र के बैंक 08 फरवरी, 2013 तक अपनी मांग और समय दायित्व (NDTL) के 3.00 प्रतिशत के बराबर CRR बनाए रखेंगे और फरवरी 9, 2013 के पखवाड़े से अपनी शुद्ध मांग और समय देयताओं का 4.00 प्रतिशत।

नोट– चेप्टर नं. 2, 12, 13, 14 को संशोधित कर दिया ह तथा संशोधित चेप्टर को BOS Knowledge Portal पर वैब होस्टेड कर दिया है।

¼c½. eb] 2019 ijh{kk ds fy, ykxw ugha

f}rh; y{[kk ekud **II As** eb] 2019 ijh{kk esa ykxw ugha

निश्चित वर्ग की कम्पनी के अनुपालन के लिये कम्पनी मामलों के मंत्रालय ने जो अधिसूचना कम्पनी (भारतीय लेखा मानक) नियम 2015 में की है। इसलिये नवम्बर में 16 फरवरी 2015 में की है। इसलिये Ind AS मई 2019 की परीक्षा मं लागू नही होगा।

© The Institute of Chartered Accountants of India

Ikij&5 mPprj y[kkdu

Hkkx&II प्रश्न एवं उत्तर

i'u

de|pkjh LVkd fodYi ;kstuk ¼ESOPs½

1 एक कम्पनी की अंश पूँजी 10 रू0 वाले अंशो में विभाजित है। 01.01.2019 को 7500 कर्मचारियों को 50 रू0 प्रति अंश विकल्प देती है जिसका बाजार मूल्य 140 रू0 प्रति अंश है। इस विकल्प का प्रयोग 1–3–20X1 से 31–03–20X2 के बीच प्रयोग किया जा सकता है। कर्मचारियों ने विकल्प के केवल 7200 अंश लिये, बाकी विकल्प समाप्त हो गये। 31–03–20X2 तक कम्पनी की पुस्तकों में कर्मचारी स्टॉक विकल्प के सम्बन्ध में सभी आवश्यक जर्नल लेखे कीजिये।

ifrHkwfr;ksa dk iqu%Ø;

2 अल्फा लिमिटेड ने 31 मार्च, 2017 को निम्नलिखित संक्षिप्त चिट्ठा प्रस्तुत किया है :

nkf;Ro	yk[k esa ¼:-½	lEifÙk;ka	yk[k esa ¼:-½
समता अंश पूँजी	2400	मशीनरी	3600
		फर्नीचर	450
(10 रू प्रति अंश पूर्ण प्रदत्त)	–	विनियोग	148
		स्कन्ध	1,200
प्रतिभूति प्रीमियम	350	व्यापारिक प्राप्य	500
सामान्य संचय	530	बैंक में रोकड़	1,500
पूँजी शोधन कोष	400		
लाभ हानि खाता	340		
12% ऋणपत्र	1500		
व्यापारिक देय	1400		
अन्य चालू दायित्व	478		
	7,398		7,398

1 अप्रैल, 2017 को कम्पनी ने अपने 25% समता अंशो को 15 रू. प्रति अंशों में पुनःक्रय करने की घोषणा की गई। इसके लिये कम्पनी ने अपने समस्त विनियोगों को 150 लाख रू0 में बेच दिया।

5 अप्रैल 2017 को कम्पनी ने अंशो के पुनः क्रय के लक्ष्य को प्राप्त कर लिया।

आपसे आपेक्षित है :

© The Institute of Chartered Accountants of India

1. पुनःक्रय के लिये आवश्यक जर्नल लेखे कीजिये।
2. अंशो के पुनः क्रय के बाद अल्फा लिमिटेड का चिट्ठा बनाइये।

समता अंशो के साथ विभेदक अधिकार

3 कम्पनी नियम 2014 की शर्तो के अन्तर्गत (अंषो एवं ऋणपत्रों) के समता अशों के साथ विभेदक अधिकारों की व्याख्या कीजिये।

v'kk dk vfHkxkiu

4 ,d कम्पनी ने 10 लाख समता अंश 10 रू0 वाले 1 रू. प्रीमियम पर निर्गमित करने का प्रस्ताव किया। इसमें से एक लाख अंशो को संचालक,उनके रिश्तेदारो, जुड़े लोगों एवं मित्रों द्वारा लिया गया। सम्पूर्ण राशि प्राप्त हो गई। शेष अंशों को जनता के समस्त प्रस्ताव रखा गया था जिसकी सम्पूर्ण राशि आवेदन के साथ मांगी गई।

एक्स वाई एवं जेड अभिगोपकों द्वारा 2% कमीशन पर अभिगोपन करना था। एक्स द्वारा 65% अभिगोपन तथा वाई और जेड द्वारा क्रमशः 25% तथा 10% अभिगोपन किया गया। फर्म अभिगोपन निम्न थाः

एक्स–30,000 अंश, वाई–20,000 अंश एवं जेड–10,000 अंश। अभिगोपकों ने अभिचिन्हित आवेदन पत्रों की सम्पूर्ण आवेदन राशि को जनता सदस्य है के साथ जमा करा दी गई थी।

fpfUgr vkonu i= fuEu idkj Fk %

एक्स–1,19,500 अंश, वाई –57,500 अंश एवं जेड–10,500 अंश तथा अचिन्हित आवेदन पत्र कुल 7,00,000 अंश है। अभिगोपकों के साथ लेखे का उचित शीघ्र निस्तारण हो गया।

आपको अंशो के सम्बन्ध में फर्म अभिगोपन के अतिरिक्त अभिगोपकों के दायित्वों की गणना करनी है।

dEifu;k dk ,dhdj.k

5 पी लि0 एवं क्यू लि0 ने 01.04.2018 को एकीकरण का निश्चय किया। 31.03.2018 को सक्षिप्त चिट्ठा निम्न हैः

© The Institute of Chartered Accountants of India

Ikij&5 mPprj y[kkdu

¼000 e½

fooj.k	ih0fy0	D;0fy0
कोषों के स्त्रोतः	–	–
समता अंश पूँजी (प्रति 10 रू.)	300	280
9% पूर्वाधिकार अंश पूँजी (100 रू. प्रति)	60	40
विनियोग भत्ता संचय	10	4
लाभ हानि खाता	68	68
10% ऋणपत्र	100	60
व्यापारिक देय	50	30
कर प्रावधान	14	8
योग	602	490
कोषो का प्रयोगः	–	–
भवन	120	100
प्लाण्ट एवं मशीनरी	160	140
विनियोग	80	50
व्यापारिक प्राप्य	90	70
स्कन्ध	72	80
रोकड़ तथा बैंक	80	50
योग	602	490

उपरोक्त सूचनाओं से आपको एक नई कम्पनी आर0लि0 का 01.04.2018 को चिट्ठा बनाइयें, इसके लिये नई कम्पनी का निर्माण किया गया है जो दोनों कम्पनियों की सम्पत्तियों एवं दायित्वों को ग्रहण करेगी :

(i) 50% ऋणपत्रों को नई कम्पनी के अंशो में परिर्वतन किया जायेगा।

(ii) विनियोग गैर–चालू प्रकृति का है।

(iii) पी0लि0 की सम्पत्तियों का मूल्यांकन लागत से 10% अधिक पर मूल्यांकित किया गया है तथा क्यू0 लि0 की सम्पत्तियों को लागत से 5% अधिक पर मूल्यांकित किया गया है।

(iv) 10% व्यापारिक प्राप्य दोनों कम्पनियों में संदिग्ध है। स्कन्ध को लागत पर आगे ले जाया गया है।

© The Institute of Chartered Accountants of India

bVjehfM,V ¼U;½ ijh{kk % ebl 2019

(v) पूर्वाधिकार अंशो का निस्तारण समान संख्या में 9% सममूल्य पर पूर्वाधिकार अंशो के निर्गमन द्वारा किया गया है।

(vi) हस्तान्तरण करने वाली दोनों कम्पनियों के समता अंशधारियों को नई कम्पनी के 10 रू0 वाले 5 रू0 प्रति अंश प्रीमियम पर निर्गमित करके निस्तारित किया गया है।

आपको क्रय के स्वभाव के आधार पर एकीकरण का उत्तर दीजिये।

dEiuh dk vkUrfjd i|ufuek.k

6 31-03-2018 dk yk;u fyfeVM dk fpVBk fuEu g %

fooj.k	uksV l[;k	jkf'k ¼yk[k e½
समता एवं दायित्व	–	–
अंशधारियों का कोष	–	–
अंश पूँजी	1	1,400
संचय एवं अधिक्य	2	(522)
गैर–चालू दायित्व		
दीर्धकालीन उधार	3	700
चालू दायित्व		
व्यापारिक देय	4	102
अन्य दायित्व	5	24
योग		1704
सम्पत्तियाँ		
गैर–चालू सम्पत्तियाँ		
सम्पत्ति, प्लाण्ट एवं संयन्त्र		
दृश्य सम्पत्तियाँ	6	750
चालू सम्पत्तियाँ		
चालू विनियोग	7	200
स्कन्ध	8	300
व्यापारिक प्राप्य	9	450
रोकड़ एवं रोकड़ तुल्य	10	4
;kx		1704

y[kk d uksV l

© The Institute of Chartered Accountants of India

Ikij&5 mPprj y[kkdu

fooj.k	yk[k e
(1) अंश पूँजी	
अधिकृत पूँजीः	
200 लाख अंश 10 रू0 वाले	2000
8, लाख 8% पूर्वाधिकार अंश 100 रू0 वाले	800
योग	2800
निर्गमित, प्रार्थित एवं चुकताः	
100 लाख समता अंश 10 रू0 वाले पूर्णदत्त	1000
4 लाख 8% पूर्णधिकार अंश 100 रू. वाले पूर्णदत्त	400
योग	1400
(2) संचय एवं आधिक्य	
लाभ हानि खाते का डेविट शेष	(522)
(3) दीर्घकालीन उधार	
6% ऋणपत्र (स्वकीय सम्पत्ति द्वारा सुरक्षित)	400
संचालक का ऋण	300
योग	700
(4) व्यापारिक देय	
माल के लिये व्यापारिक देय	102
(5) अन्य चालू दायित्व	
ब्याज अर्जित एवं 6% ऋणपत्रों पर बकाया	24
योग	
(6) दृश्य सम्पत्तियाँ	
स्वकीय सम्पत्ति	550
प्लाण्ट एवं मशीनरी	200
योग	750
(7) चालू विनियोग	
समता अशों में विनियोग	200
(8) स्कन्ध	
निर्मित माल	300

© The Institute of Chartered Accountants of India

(9) व्यापारिक प्राप्य	
माल पर व्यापारिक प्राप्य	450
(10) रोकड़ एवं रोकड़ तुल्य	
बैंक में शेष	4

सम्बन्धित अंशधारियों के सहमति से कम्पनी के संचालक मण्डलों द्वारा निम्नलिखित योजना के तहत आन्तरिक पुनःनिर्माण का निर्णय लिया गया :

1. पूर्वाधिकार अंशो के मूल्यों को घटाकर 80 रू0 प्रति अंश तथा समता अंशो को 2 रू0 प्रति अंश तक किया जायेगा।
2. पूर्वाधिकार अंशो के बकाया लाभांश का 2/3 भाग समाप्त किया गया एवं शेष 1/3 के लिये 2 रू0 वाले समता अंशो का आवंटन किया।
3. ऋणपत्रधारियों ने अपनी बकाया राशि के एक हिस्से के भुगतान के लिए 300 लाख रू. की स्वकीय सम्पत्ति लेने पर सहमत हुये। शेष ऋणपत्र को कम्पनी के दायित्व के रूप में दिखाया जायेगा।
4. उपार्जित ब्याज जो ऋणपत्रधारियों पर बकाया है उसका भुगतान नकद किया।
5. शेष स्वकीय सम्पत्तियों का मूल्यांकन 400 लाख रू होगा।
6. समस्त विनियोगों को 250 लाख में विक्रय किया जायेगा।
7. 70% संचालकों के ऋणों को समाप्त किया जायेगा तथा शेष के लिये 2 रू0 वाले समता अंशो का आवंटन किया जायेगा।
8. 40% व्यापारिक प्राप्य एवं 80% स्कन्ध को अपलिखित किया जायेगा।
9. कम्पनी के ठेका समझौते को जिसकी लागत 600 लाख रू. है उसको 5% ठेका मूल्य के दण्ड द्वारा निस्तारित किया जायेगा :

आपसे आपेक्षित है किः

अ. आन्तरिक पुर्ननिर्माण सम्बन्धी जर्नल लेखे कीजिये।

ब. पुर्ननिर्माण खाता बनाइये।

स. आन्तरिक पुननिर्माण योजना के तुरन्त बाद का चिट्ठे में अंश पूँजी एवं दृश्य सम्पत्तियो का नोट्स तैयार कीजिये।

© The Institute of Chartered Accountants of India

Ikij&5 mPprj y[kkdu

dEiuh dk lekiu

7 शाह लि0 कम्पनी के चिट्ठे का सारांश निस्तारक के पास है जो निम्न है :

31-03-2017 dks fpV~Bk

nkf;Ro	jkf'k	lEifÙk;k¡	jkf'k
अंश पूँजीः			
1000 6% पूर्वाधिकार अंश 100 रू0 वाले पूर्ण प्रदत्त	1,00,000	स्थायी सम्पत्तियाँ	2,00,000
		स्कन्ध	1,20,000
2000 समता अंश 100 रू0 प्रति अंश पूर्णदत्त	2,00,000	देनदार	2,40,000
		हस्तस्थ रोकड़	40,000
2000 समता अंश 100 रू0 प्रति 75 रू प्रति चुकता	1,50,000	लाभ हानि खाता	3,00,000
बैंक से ऋण (स्टॉक द्वारा सुरक्षित)	1,00,000		
व्यापारिक देय	3,50,000		
	9,00,000		9,00,000

सम्पत्तियों की वसूली से निम्न राशियाँ प्राप्त हुई

(वसूली की समस्त लागत एवं निस्तारक का पारिश्रमिक राशि 5000 रू. का भुगतान हस्तस्थ रोकड़ से करने के बाद)

स्थायी सम्पत्तियाँ	1,68,000
स्कन्ध	1,10,000
व्यापारिक प्राप्य	2,30,000

अंशतः भुगतान अंशो पर याचना की गई लेकिन 200 अंशो पर बकाया राशि प्राप्त नही हुई।

आपको निस्तारक का प्राप्ति एवं भुगतान का अन्तिम विवरण पत्र बनाइये।

chek dEifu;ksa dk foÙkh; fooj.k i=

8 निम्नलिखित निकाले गये शेषों से रियल सामान्य बीमा कम्पनी लि0 की पुस्तकों से 31 मार्च, 2017 को समाप्त होने वाले वर्ष हेतु अग्नि समुद्री के सम्बन्ध में एक आगम खाता तैयार करना आवश्यक है।

fooj.k	vfXu	lenzh
1 अप्रैल 2016 को अदत्त दावे	28,000	7,000
दावे चुकाये	1,00,000	80,000

© The Institute of Chartered Accountants of India

1 अप्रैल, 2016 को असमाप्त जोखिम के लिये संचय	2,00,000	1,40,000
प्राप्त प्रीमियम	4,50,000	3,30,000
एजेन्ट का कमीशन	40,000	20,000
प्रबन्धकीय व्यय	60,000	45,000
पुनः बीमा प्रीमियम–(डेबिट)	25,000	15,000

निम्नलिखित अतिरिक्त बिन्दुओं पर विचार किया जाना है :

1. 31 मार्च, 2017 को अदत्त दावे निम्न है :
   अ. अग्नि बीमा – 10,000 रू.
   ब. समुद्री बीमा – 15,000 रू.
2. 31 मार्च, 2017 को निम्न प्रीमियम अदत्त थे।
   अ. अग्नि बीमा – 30,000 रू.
   ब. समुद्री बीमा – 20,000 रू.
3. अग्नि तथा समुद्री बीमा के सम्बन्ध में असमाप्त जोखिम संचय हेतु शुद्ध बीमा कमशः 50% व 100% बनाये रखना है।
4. 31 मार्च, 2017 को प्रबन्धकीय व्यय 10,000 रू. अग्नि बीमा हेतु तथा 5,000 रू. समुद्री बीमा के सम्बन्ध में थे।

cSfdax dEiuh dk foÙkh; forj.k i=

9 31 मार्च, 2018 को समाप्त होने वाले वर्ष लिए निम्नलिखित सूचनाओं से वेल्थ बैंक लि0 की पुस्तकों में लाभ हानि खाता बनाइये :

fooj.k	yk[k e	fooj.k	yk[k e
उधार रोकड़ पर ब्याज	364	आवर्ती जमा पर ब्याज का भुगतान	17
अधिविकर्ष पर ब्याज	150	बचत जमा पर ब्याज का भुगतान	12
टर्म ऋण पर ब्याज	308	अंकेक्षण शुल्क एवं भत्ता	24
विनियोगों पर आय	168	संचालक का शुल्क एवं भत्ता	50
आर बी आई क साथ शेष पर ब्याज	30	विज्ञापन	36
हस्तान्तरण तथा प्रेषण पर कमीशन	15	कर्मचारियों का वेतन, भत्ता तथा बोनस	248
साख पत्र पर कमीशन	24	भविष्य निधि का भुगतान	56
सरकारी व्यवसाय पर कमीशन	16	छपाई तथा लेखन सामाग्री	28
भूमि तथा भवन के विकय पर लाभ	5	मरम्मत तथा अनुरक्षण	10
विनिमय व्यवहारों पर हानि	10	डाक तार टेलीफोन	16
स्थायी जमा पर ब्याज	25		

© The Institute of Chartered Accountants of India

Ikij&5 mPprj y[kkdu

vU; lpuk;a %

		yk[k e vftr	yk[k e Lkxfgr
¼i½	NPA पर ब्याज निम्न रूप में :		
	उधार रोकड़	164	80
	टर्म ऋण	90	20
	अधिविकर्ष	150	50
	NPA का वर्गीकरण :		
	मानक	–	60
	उपमानक–पूर्ण सुरक्षित	–	22
	संदिग्ध सम्पत्तियाँ–पूर्ण असुरक्षित	–	40
	संदिग्ध सम्पत्तियाँ पूर्णतः प्रतिमूतियों से पूर्ण सुरक्षित	–	–
	एक वर्ष से कम	–	6
	एक वर्ष से अधिक परन्तु तीन वर्ष से कम	–	3
	तीन वर्ष से अधिक	–	2
	हानि सम्पत्तियाँ	–	38

¼iii½ लाभ के 35% के बराबर करों के लिये प्रावधान के लिये प्रदान करना है।

¼iv½ लाभ का 25% वैधानिक संचय में हस्तान्तरण करना है।

x|j&cfdx foÙk dEiuh

10 एल0के0 फाइनेंस लि0 एक गैर–बैंकिंग वित्तीय कम्पनी है। यह आपको निम्नलिखित जानकारी अपनी बकाया के बारे में प्रदान कर रही है। 400 लाख रू. जो कि 200 खातों में पूर्व के दो माह पूर्व अधिदेय है (80 लाख रू. राशि अधिदेय), 24 खाते तीन महीने के लिये (राशि अधिदेय 48 लाख रूपया) 10 खाते 30 महीने से अधिक (राशि अधिदेय 40 लाख रूपया) एवं 4 खाते तीन वर्ष से अधिक (राशि अधिदेय 40 लाख रू. जिसे पहले से उप–मानक चिन्हित किया गया है) एवं एक खाता 20 लाख रूपये का तीस महीने से अधिक अधिदेय है, 6 खाते पहले से उप–मानक में चिन्हित (राशि 12 लाख रूपये) चौदह माह से अधिक एवं अन्य को 14 माह से कम अवधि के लिये उप–मानक सम्पत्तियाँ चिन्हित किया गया है।

व्यवस्थित महत्वपूर्ण गैर–जमा प्राप्त करने वाली कम्पनी एवं जमा प्राप्त करने वाली कम्पनी (रिजर्व बैंक) निर्देश 2016 के आधार पर कम्पनी की सम्पत्तियों का वर्गीकरण गैर–बैकिंग वित्तीय कम्पनी के आधार पर कीजिये।

© The Institute of Chartered Accountants of India

E;p;y Q.M l

11 म्यूचल फण्ड्स इकाई की दशा में शुद्ध सम्पत्ति मूल्य (NAV) से आप क्या समझते है।

[;kfr dk eY;kdu

12 होली लि0 की पुस्तकों में अन्तिम नियोजित पूँजी के आधार पर पिछले चार पूर्ण वर्षो में कम्पनी द्वारा उपर्जित अधिलाभ के तीन वर्ष के कय के आधार पर निम्न सूचनाओं से ख्याति के मूल्य की गणना कीजिये।

gkyh fy0 dk 31 ekp 2018 dk lf{kr fpVBk

nkf;Ro	yk[k e	lEifÙk;k	yk[k e
अंश पूँजीः		ख्याति	620
अधिकृत	15000	भूमि एवं भवन	3700
निर्गमित एवं अभिदत्त	–	मशीनरी	7520
10 करोड़ समता अंश प्रत्येक अंश	10000	फर्नीचर एवं फिक्चर्स	2030
10 रू0 वाले पूर्णदत्त		पेटेण्ट एवं ट्रेडमार्क	64
पूँजी संचय		9% गैर–व्यापारिक विनियोग	1200
सामान्य संचय	520	स्कन्ध	1746
आद्यिक्य केडिट शेष	6586	व्यापारिक प्राप्य	1228
लाभ हानि (नियोजन) खाता	914	हस्तस्थ रोकड़ एवं बैंक	1092
व्यापारिक देय	1136		
कर के लिये प्रावधान (शुद्ध)	44		
	19200		19200

pkj o"kk dk dj d iol ykHk fuEu i dkj g&

31 ekp d o"k d vUr e	dj d iol ykHk ¼yk[k e½
2014	6,380
2015	5,000
2016	6,216
2017	5,800

लेखा वर्ष 2013–14 को आयकर की दर 40% है। इसके उपरान्त सभी वर्षो में 38% प्रतिशत है। लेकिन लेखा वर्ष 2017–18 के लिए आयकर की दर 35% होगी।

लेखा वर्ष 213–14 के लिये कम्पनी ने एक विदेशी अनुबन्ध के कारण असाधारण लाभ 2 करोड रूपया उपर्जित किया। अगस्त, 2014 में भूकम्प के कारण कम्पनी की 100 लाख रू. की

© The Institute of Chartered Accountants of India

Ikij&5 mPprj y{kkdu

सम्पत्तियों का नुकसान हुआ, परन्तु बीमा पॉलिसी भूकम्प एवं उपद्रवों की क्षतिपूर्ति नही करती है।

उपरोक्त चिट्‌ठे में 1 अप्रैल 2015 को प्रकाशित 9% गैर–व्यापारिक निवेश सममूल्य पर कम्पनी द्वारा कय किये गये थे।

कम्पनी जिस उद्योग में कार्यरत है उसमें सामान्य प्रत्याय की दर 20% है। आप यह भी ध्यान रखें कि सदस्यों की सधारण सभा में पारित प्रस्ताव में संचालकों का अतिरिक्त पारिश्रमिक 100 लाख रू. प्रतिवर्ष लेखा वर्ष 20014–15 के प्रारम्भ से स्वीकृत किया गया है।

lefdr foÙkh; fooj.k i=

¼13½ आपको निम्न आकड़े प्रदान किये जाते है :

dsl	lgk;d dEiuh	/kkfjr vशkksa dk ifrशkr	Ykkxr	vf/kxzg.k dh frfFk		Lkekfdr dh frfFk	
				01-01-2018		31-12-2018	
				अंशपूँजी	ykHk&gkfu [kkrk	अंश iwath	ykHk&gkfu [kkrk
केस–1	ए	90%	1,40,000	1,00,000	50,000	1,00,000	70,000
केस–2	बी	85%	1,04,000	1,00,000	30,000	1,00,000	20,000
केस–3	सी	80%	56,000	50,000	20,000	50,000	20,000
केस–4	डी	100%	1,00,000	50,000	40,000	50,000	55,000

प्रत्येक केस के सम्बन्ध में निर्धारित कीजिए।

1. अधिग्रहण तिथि एवं समेकित तिथि को अल्प पक्ष हित।
2. ख्याति या पूँजी संचय

ys[kk ekud 7 fuekZ.kh Bsdk

14 जी0टी0आई0 लिमिटेड ने भारत आयल कॉरपोरेशन लिमिटेड (BOCL) से ''खुदरा पेट्रोल एवं डीजल आउटलेट स्टेशन'' खोलने पर विचार विमर्श किया जो विभिन्न BOCL के रीजनल कर्यालय के प्रस्ताव के आधार पर होगा। GTI लि0 को फाइनल अप्रूवल प्रत्येक रीजन एक्स रीजन में एक, वाई रीजन में एक तथा जेड रीजन में एक दोनों के बीच में केवल एक समझौता किया गया। प्रत्येक आउटलेट की कीमत 102 लाख रू., 150 लाख रू.,तथा 130 लाख रू.,क्रमशः एक्स रीजन

© The Institute of Chartered Accountants of India

वाई एवं जेड रीजन के लिये है। समझौता में प्रत्येक रीजन में आउटलेंट पूर्ण करने का समय भी दिया गया था।

आप बताइये कि GTI लि0 लेखा मानक–7 के आधार पर इसको केवल एक अनुबन्ध मानें या प्रत्येक तीन के लिये अलग–अलग अनुबन्ध मानें।

y[kk ekud 9 vkxe ekU;rk

15- राज लि0 ने हीना लि0 के साथ एक अनुबन्ध 5,00,000 रू0 मूल्य के माल को प्रत्येक माह भेजने के लिए अगले 6 माह के लिए सम्पूर्ण भुगतान प्राप्त होने पर, इसके अनुसार हीना लि0 ने सम्पूर्ण 30,00,000 रूपया का भुगतान किया। राज लि0 ने माल भेजने का कार्य शुरू कर दिया। चौथे माह में हीना लि0 के भवन में आग लगने के कारण, हीना लि0 ने राज लि0 से आग्रह किया कि भेजने के लिए तैयार 15,00,000 रू0 के माल को नहीं भेजे। राज लि0 ने 15,00,000 रूपये को विक्रय के रूप में लेखांकित किया एवं अग्रिम प्राप्त राशि को विक्रय खाते में हस्तान्तरण किया।

लेखा मानक 9 के अधार पर राज लि0 के व्यवहार पर अपनी टिप्पणी दीजिये।

y[kk ekud 18 lEcfU/kr i{k ls 0;ogkj

16] ,l ih लि0 ने मिस्टर ए के साथ प्रत्येक एक वर्ष बाद निश्चित राशि वापस करने के अनुबन्ध के साथ होटल चलाने का कार्य प्रारम्भ किया। अनुबन्ध में शर्त शामिल थी कि दिन प्रतिदिन का वित्तीय एवं परिचालन नीति का निर्णय कम्पनी के संचालक मण्डल द्वारा किया जायेगा। मिस्टर ए को एस पी होटल लि0 में कोई भी मतदान का अधिकार नही होगा। क्या आप इसको एस पी होटल लि0 में साथ सम्बन्धित पक्ष के व्यवहार के रूप में विचार करेंगे।

y[kk ekud 19 iVVk

17] अक्षत इन्टरनेषनल लिमिटेड 36 महीने के पट्टे पर मशीन को दिया इस मशीन का उपयोगी जीवन काल 60 माह है। लागत एवं उचित बाजार मूल्य मशीन का 5,00,000 लाख रूपया है। उक्त राशि को तीन बराबर किष्तों में भुगतान करना है। अगर पट्टे की अवधि समाप्त होने पर मशीन को पट्टा मालिक को वापस की जायेगी। गैर–गारण्टी शुदा मशीन का अवशिष्ट मूल्य तीसरे वर्ष के अन्त में 50,000 रूपया है। आंतरिक प्रत्याय दर (IRR) विनियोग पर 10 प्रतिशत है एवं तीन वर्ष के अन्त में वार्षिक तत्व के आधार पर 10% की दर से 1 रूपया का आंतरिक प्रत्याय दर (IRR) 2,4868 है। तथा तीसरे वर्ष के अन्त में वर्तमान वार्षिक मूल्य 10% आंतरिक

© The Institute of Chartered Accountants of India

Ikkij&5 mPprj y[kkdu

प्रत्याय दर (IRR) के आधार पर 0.7513 है। आप टिप्पणी दीजिये कि यह एक वित्तीय पट्टा या परिचालन पट्टा है। अगर यह वित्तीय पट्टा है तो अनुपार्जित वित्तीय आय की गणना कीजिये।

लेखा मानक 20 प्रति अंश आय उपार्जन

18 ''प्रति अंश अवमिश्रित उपार्जन की गणना में सभी घुलनशील सम्भावित समता अंशो पर लागू किया जाता है जो अवधि के दौरान अदत्त थे'' इस कथन से सम्बन्धित लेखा मानक के आधार को समझाइये। साथ मे निम्नलिखित सूचनाओं से अवीमिश्रत प्रति अंश उपार्जन (Dilluted EPS) भी गणना कीजिये :

चालू वर्ष का शुद्ध लाभ (कर के बाद)	1,00,00,000
अदत्त समता अंशो की संख्या	10,00,000
10% पूर्ण परिवर्तनीय ऋणपत्र 100 रू. वालों की संख्या	1,00,000
(प्रत्येक ऋणपत्र अनिवार्य एवं पूर्णतया 10 समता अंशो में परिर्वतनीय)– वर्ष के मध्य में निर्गमित	– –
चालू वर्ष का ऋणपत्रों पर ब्याज व्यय	5,00,000
यह मानते हुए कि 30 प्रतिशत की दर से आयकर लागू होगा।	–

y[kk ekud 26 vewrZ lEifÙk;k

19 एक कम्पनी जिसका विक्रय आवर्त 375 करोड़ रू. है एवं एक नये उत्पाद के विपणन के लिये वार्षिक विज्ञापन बजट 3 करोड़ रू. है। यह अनुमान है कि कम्पनी के नये उत्पाद का विक्रय आर्वत 37.5 करोड़ रू. होगा। कम्पनी ने अपने लाभ हानि खाते में सम्पूर्ण विज्ञापन व्यय को नये उत्पाद के विज्ञापन के नाम पर डेबिट कर दिया।

क्या कम्पनी द्वारा अपनाई गई प्रकिया सही है?

y[kk ekud 29 izko/kku] vkdfLed nkf;Ro ,oa vkdfLed lEifÙk;k

20 मेसर्स एक्स वाई जेड लि0 का एक प्रतियोगी कम्पनी के साथ विवाद है, जो आरोप लगा रहा है कि उद्यम ने कापीराइट का अतिक्रमण किया है। प्रतियोगी ने माननीय न्यायालय में एक वाद प्रस्तुत किया है जिसमें 200 लाख रू. क्षति की मांग कर रही है।

संचालकों की राय है कि दावे का कम्पनी द्वारा सफलता पूर्वक विरोध किया जा सकता है।

लेखा मानक 29 के आधार पर उक्त विषय या विवाद को वार्षिक खाते में किस प्रकार दिखाया जायेगा। अपने उत्तर को कारण सहित स्पष्ट कीजिये।

© The Institute of Chartered Accountants of India

प्रस्तावित उत्तर

1 dEiuh dh iLrdk e

tuly ylk[k

fnukd	fooj.k	MfoV ¼:-½	dfMV ¼:-½
1–3–X2 से 31–3–X2	बैंक खाता डेबिट	3,60,000	
	कर्मचारी क्षतिपूर्ति खर्च खाता डेबिट	6,48,000	
	To समता अंश पूँजी खाता (7200X10)		72,000
	To प्रतिभूति प्रीमियम खाता (7200X130)		9,36,000
	(7200 अंश 10 रू वाले 130 रू प्रीमियम पर कर्मचारियों को आवंटन किया गया तथा विकल्प मूल्य 50 रू प्रति)		
31–3–X2	लाभ हानि खाता डेबिट	6,48,000	–
	To कर्मचारी क्षतिपूर्ति खर्च खाता		6,48,000
	(कर्मचारी क्षतिपूर्ति व्यय का हस्तान्तरण करने पर)		

fd;kRed fVIif.k;k

¼1½ कर्मचारी क्षतिपूर्ति व्यय =बाजार मूल्य एवं विकल्प मूल्य में बट्टे का अन्तर

=140– 50= 90 रू. प्रति अंश= कुल राशि = 90X7,200 = 6,48000 रू.

¼2½ प्रतिभूति प्रीमियम राशि= 50 रू.– 10 रू. = 40 रू0 प्रति अंश +90 रू. बाजार मूल्य के ऊपर विकल्प के मूल्य पर छूट = 130 रू. प्रति अंश = 130 रू. X7,200 = 9,36,000 कुल रू.

2 vYQk fy0 dh iLrdk e

tuly ylk[k

fnukd 2017	fooj.k	MfoV :- ¼yk[k½	dfMV :- ¼yk[k½
अप्रैल 1	बैंक खाता डेबिट	150	
	To विनियोग खाता		148
	To विनियोगों के विक्रय पर लाभ		2
	(विनियोगों के बेचने पर लाभ)		
अप्रैल 5	समता अंश पूँजी खाता डेबिट	600	
	प्रतिभूति प्रीमियम खाता डेबिट	300	

	To समता अंश पुनः क्रय खाता (समता अंशधारियों के अंशो के क्रय पर राशि बकाया होने पर)		900
	समता अंश पुनः कय खाता डेबिट To बैंक खाता (60 लाख समता अंशधारियों के अंशों का पुनः कय की राशि का भुगतान करने पर)	900	900
अप्रैल 5	सामान्य संचय खाता डेबिट लाभ हानि खााता डेबिट To पूँजी शोधन संचय खाता (नियमानुसार पूँजी संचय खाते में मुक्त संचय खाते से खरीदे गये अंशो के अंकित मूल्य के बराबर राशि का हस्तान्तरण करने पर)	530 70	600

fpVBk ¼iqu% d; d ckn½

fooj.k	UkkV u0	jkf'k ¼yk[k e½
1- lerk ,o nkf;Ro		–
¼i½ v'k/kkjh dks"k		–
v- अंश पूँजी –	1	1800
c- संचय एवं आधिक्य	2	1322
2- xj&pky nkf;Ro		–
v- दीर्घकालीन उधार– 12% ऋणत्र		1500
3- pky nkf;Ro		–
v- व्यापारिक देय		1400
c- अन्य चालू दायित्व		478
;kx		6500
¼ii½ lEifÙk;k¡		
¼1½ xj&pky lEifÙk;k		
v- सम्पत्ति, प्लाण्ट एवं संयत्र		
¼i½ n'; lEifÙk;k	3	4050
¼2½ pky lEifÙk;k		
अ. चालू विनियोग		
ब. स्कन्ध		1200

स. व्यापारिक प्राप्य		500
द. रोकड़ एवं रोकड़ तुल्य (W.N)		750
;ksx		6500

[kkrks dh fVIif.k;k

	fooj.k		yk[k :i;s esa
1-	**अंश पूँजी**		
	समता अंश पूँजी (10 रू0 वाले पूर्णदत अंश)	–	1800
2-	lap; ,oa vf/kD;		
	सामान्य संचय 530		
	घटाइयेः पूंजी शोधन संचय (CRR) में हस्तान्तरण (530)		
	पूँजी शोधन संचय 400		
	जोड़ियेः हस्तान्तरण देय लाभ हानि खाते से 70		
	अंशो के पुनःक्रय पर	1000	
	सामान्य संचय खाते से पुनः क्रय खाते में हस्तान्तरण 530		1322
	प्रतिभूति प्रीमियम 350	50	
	घटाइयेः समायोजन पुनः क्रय खाते का प्रीमियम (300)		
	लाभ हानि खाता 340		
	जोड़ियेः विनियोगो के विक्रय पर लाभ 2	272	
	घटाइयेः पूंजी शोधन संचय (CRR) में हस्तान्तरण (70)		1322
	दृश्; lEifÙk;k¡	3600	
3-	मशीनरी	450	
	फर्नीचर		4050

fØ;kRed fVIif.k;k

iqu% Ø; ds ckn cSad esa jkdM+

	¼yk[k : esa½
1 अप्रैल, 2017 को रोकड़ शेष	1500
जोडिये%& विनियोगों पर विक्रय	150
	1650
घटाइये%& अंशो के पुनः क्रय पर भुगतान	(900)
	750

3 धारा 43 (अ) (11) की शक्तियों का प्रयोग करते हुये केन्द्र सरकार ने कम्पनी के नियम 4 के अन्तर्गत कम्पनी (अंश पूंजी एवं ऋण पत्र) नियम, 2014 जो समता अंश विभेदक अधिकार के निम्न साथ हैः

नियमों के अनुसार निम्नलिखित शर्तो का प्रयोग अनिवार्य हैः

ए कम्पनी के अर्न्तनियम के नियम विभेदक अधिकार के साथ अंशों के निर्गमन के लिये अधिकृत किया हैः

बी. अंशों के निर्गमन के लिये कम्पनी की सामान्य सभा में अंशधारियों द्वारा प्रस्ताव पारित किया गया तथा अधिकृत किया गया है। बशर्ते समता अंशों का मान्यता प्राप्त स्टॉक मार्केट में सूचीकृत किया गया है। अंशधारियों ने अंशों के लिए पोस्टल बैलेट को मान्यता दी है।

सी. विभेदातमक समता अंश का निर्गमन कुल पोस्टल–निर्गमन के 26% से अधिक नही हो सकता। समता अंश पूंजी में विभेदक अंशों को किसी भी समय पर निर्गमन में शामिल करते हुये।

डी. कम्पनी का पिछले तीन वर्षो का लाभ के वितरण का एकरूपता का रिकार्ड रखती है।

ई. कम्पनी वित्तीय वितरण पत्र दाखिल करने में दोषी नही होनी चाहिए।

जिस वर्ष निर्गमन का निर्णय लिया जाये उससे तुरन्त ठीक पूर्व के तीन वर्षो के वित्तीय विवरण को बनवाया जाये।

एफ कम्पनी किसी प्रकार भी की अधिसूचित लाभांश जो अंशधारियों को देना है या देय जमा का पुर्नभुगतान, पूर्वाधिकार अंशधारियों का शोधन, ऋणपत्रों का शोधन जो शोधन के लिये बकाया के लिए दोषी नही है। उक्त जमा पर ब्याज चाहे अंशों का हो ऋणपत्रों या लाभांश का हो उक्त किसी में भी दोषी नहीं होनी चाहिये।

जी. कम्पनी पूर्वाधिकार अंशधारियों के लाभांश या कोई सावधि जमा जो सार्वजनिक वित्तीय संस्थान का पुर्नभुगतान या राज्य स्तरीय वित्तीय संस्थान

© The Institute of Chartered Accountants of India

का पुर्नभुगतान, अनुसूचित बैंकों के वैधानिक भुगतान आदि के लिए दोषी नहीं होना चाहिये। विनियोगकर्ता का शिक्षा एवं प्रोटेक्शन कोष जो केन्द्र सरकार का है उसमे भी दोषी नहीं होना चाहिये।

एच. कम्पनी किसी कोर्ट या ट्रिब्यूनल जो रिजर्व बैंक अधिनियम, 1934 में आता है उसमें पिछले तीन वर्षो में कभी दण्डित नहीं हुई हो तथा प्रतिभूति अनुबंध अधिनियम, 1956, विदेशी विनिमय प्रबन्ध अधिनियम, 1999 जो कम्पनी को नियमित तथा प्रतिबंधित करता है उसमें पिछले तीन वर्षो में दण्डित नहीं हुआ हो।

4 अभिगोपित फर्म अशो के अतिरिक्त अभिगोपकों के दायित्वों के विवरण पत्र

	,Dl ¼:-½	okbl ¼:-½	tsM ¼:-½	;ksx ¼:-½
सकल दायित्व (निर्गमित अंश– प्रवर्तकों एवं संचालकों द्वारा कय) (9,00,000 अंश 65:25:10 अनुपात में)	5,85,000	2,25,000	90,000	9,00,000
घटाइये: चिन्हित आवेदन पत्र	(11,9,500)	(57,500)	(10,500)	(1,87,500)
	4,65,500	1,67,500	79,500	7,12,500
घटाइयेः अचिन्हित आवेदन पत्रों का आंवटन (फर्म अभिगोपन अर्थात 700000 रू. को शामिल करते हुयें 65:25:10) में	(4,55,000)	(1,75,500)	(70,000)	(7,00,000)
	10,500	7,500	9,500	12,500
वाई के अधिक्य को एक्स एवं जेड में 65:10 के अनुपात में आवंटन	(6,500)	7,500	(1,000)	
एक्स एवं जेड द्वारा अतिरिक्त अंशों का कय करते है।	4,000	&	8,500	12,500

	एक्स	वाई	जेड
अतिरिक्त अंशों पर अतिरिक्त दायित्व @ 11 रू0 अभिगोपन कमीशन सकल दायित्व पर देय (अभिगोपित अंशों पर सकल दायित्व X 11 X 2%)	44,000	–	93,500

© The Institute of Chartered Accountants of India

	(1,28,700)	(49,500)	(19,800)
शुद्ध देय राशि	(84,700)	(49,500)	
शुद्ध राशि प्राप्य	–	–	(73,700)

5 e|l l| vkj0 fyfeVsM

01-04-2018 dk fpVBk

		fooj.k	ukV~l	¼:-½ esa
	V	lerk ,o nkf;Ro		
1		अंशधारियों का कोष		
	(अ)	अंश पूँजी	1	6,55,980
	(ब)	संचय एवं अधिक्य	2	2,77,990
2		xSj&pkyw nkf;Ro		
	(अ)	दीर्घकालीन उधार	3	80,000
3		pkyw nkf;Ro		
	(अ)	व्यापारिक देय	4	80,000
	(ब)	अल्प कालीन प्रावधान	5	22,000
		योग	–	11,15,910
		lEifÙk;k¡		
01	&	xSj&pkyw lEifÙk;k¡		
	(अ)	सम्पत्ति,प्लाट एवं संयत्र		
		दृश्य, सम्पत्तियाँ	6	5,60,000
	(ब)	गैर–चालू विनियोग	7	1,30,000
02		pkyw lEifÙk;k¡		
	(अ)	स्कन्ध	8	1,52,000
	(ब)	व्यापारिक प्राप्य	9	1,44,000
	(स)	रोकड़ एवं रोकड़ तुल्य	10	1,29,970
		;ksx		11,15,970

y[kk ij fVIif.k;k

	¼000 e½
1- v'k iwth	
समता अंश पूँजी	
55,598 पूर्णदत्त समता अंश 10 रू. वाले (W.N–2)	5,55,980
पूर्वाधिकार अंश पूँजी	
9% पूर्वाधिकार अंश पूँजी (100 रू प्रति अंश) (W.N–2)	1,00,000
	6,55,980
2- lp; ,o vf/kD;	
प्रतिभूति प्रीमियम (**W**.N–2)	2,77,990
विनियोग भत्ता संचय	14,000
(10,000 + 4000)	
एकीकरण समायोजन संचय	(14,000)
	2,77,990
3- nh?kdkyhu m/kkj	
सुरक्षित 10% ऋणपत्र (1,60,000 रूपये का 50%)	80,000
4- 0;kikfjd n; (50,000 +30,000)	80,000
5- vYidkyhu iko/kku	
कर के लिये प्रावधान (14,000 + 8,000)	22,000
6- n'; lEifÙk;k	
भवन (1,32,000 + 1,05,000)	2,37,000
प्लाण्ट एवं मशीनरी (1,76,000+ 1,47,000)	3,23,000
	5,60,000
7. xj&pkyw fofu;kx (80,000 + 50,000)	1,30,000
8. स्कन्ध स्टॉक (72,000+80,000)	1,52,000
9- 0;kikfjd ikI;	
व्यापारिक प्राप्य (90,000 + 70,000) का 90%	1,44,000
10- jkdM ,o jkdM rY;	
रोकड़ एवं बैंक (80,000 + 50,000– 30)	1,29,970

© The Institute of Chartered Accountants of India

Ikkij&5 mPprj y[kkdu

fØ;kRed fVIIkf.k;k

¼1½ gLrkUrj.k कम्पनी द्वारा निर्गमित समता अंशो के मूल्यों की गणना

	&	ih0fy0 :-	&	D;w fy0 :-
ली गई सम्पत्तियाँ :				
भवन		1,32,000		1,05,000
प्लाण्ट एवं मशीनरी		1,76,000		1,47,000
विनियोग		80,000		50,000
स्कन्ध		72,000		80,000
व्यापारिक प्राप्य		81,000		63,000
रोकड़ एवं बैंक		80,000		50,000
		6,21,000		4,95,000
?kVkb;s nkf;Ro%				
10% ऋणपत्र	1,00,000		60,000	
व्यापारिक प्राप्य	50,000		30,000	
कर प्रावधान	14,000	1,64,000	8,000	98,000
		4,57,000		3,97,000
घटाइयेः– पूर्वाधिकार अंश पूँजी		60,000		40,000
		3,97,000		3,57,000

(2) समता अंशधारियों, ऋणपत्रधारियों एवं पूर्वाधिकार अंशधारियों को निर्गमित अंशों dh la[;k

	ih0fy0	D;w fy0	;ksx
15 रू0 प्रति अंश की दर से समता अंशो का निर्गमन (5 रू. प्रीमियम सहित)			
3,97,000 / 15	26,466 अंश		
3,57,000 / 15	–	23,800 अंश	50,266 अंश
समता अंश पूँजी @ 10 रू0	2,64,660	2,38,000	5,02,660
प्रतिभूति प्रीमियम @ 5 रू0	1,32,330	1,19,000	2,51,330
	3]96]990*	3,57,000	7,33,990

© The Institute of Chartered Accountants of India

50 ऋणपत्रों का समता अंशो में परिवर्तन @ 15 रू0 प्रति अंश

1,00,000 / 2= 50,000 X 15	3,332अंश**	—	—
60,000 / 2= 30,000 X 15	—	2,000 अंश	5,332 अंश
समता अंश पूँजी @ 10 रू0 की दर से	33,320	20,000	53,320
प्रतिभूति प्रीमियम @ 5 रू0 प्रति की दर से	16,660	10,000	26,660
	49,980	30,000	79,980
9% पूर्वाधिकार अंश पूँजी का निर्गमन	60,000	40,000	1,00,000

fVIif.k;k

* खण्डित अंशों के लिये रोकड़ का भुगतान= 3,97,000 – 3,96,990 = 10 रू.

** खण्डित अंशों के लिये रोकड़ का भुगतान= 50,000 – 49,980 = 20 रू.

6 ¼v½ yk;u fy0 dh iqLrdksa esa tuZy ys[kk

	fooj.k	MschV ¼yk[k e½	ØsfMV ¼yk[k e½
(i)	8 % पूर्वाधिकार अंश पूँजी खाता डेबिट (100 रू वाले) To 8% पूर्वाधिकार अंश पूँजी खाता (80 रू0 प्रति अंश) To पूँजी कटौती खाता (स्वीकृत योजना के तहत 100 रू. वाले पूर्वाधिकार अंशों का मूल्य घटाकर 80 रू0 प्रति अंश कर दिया गया)	400	 320 80
(ii)	समता अंश पूँजी खाता (10 प्रति) डेबिट To समता अंश पूँजी खाता (2 रू0 प्रति) To पूँजी कटौती खाता (प्रत्येक 10 रू0 वाले समता अंशो को 2 रू0 प्रति अंशो तक कम किया गया)	1000	 200 800
(iii)	पूँजी कटौती खाता डेबिट To समता अंश पूँजी खाता (2 रू0 प्रति अंश) (तीन वर्षो के पूर्वाधिकार अंशो का बकाया लाभांश को 2 रू0 वाले 16 लाख समता अंशो का निर्गमन कर सन्तुष्ट किया)	32	 32
(iv)	6% ऋणपत्रा खाता डेबिट To स्वकीय सम्पत्ति खाता (ऋणपत्रधारियों के आंशिक भुगतान का निपटारा स्वकीय सम्पत्ति के हस्तान्तरण द्वारा किया गया)	300	 300

© The Institute of Chartered Accountants of India

(v)	ऋणपत्र पर उपार्जित ब्याज खाता डेबिट	24	
	To बैंक खाता		24
	(ऋणपत्रों पर उपार्जित ब्याज का भुगतान)		
(vi)	स्वकीय सम्पत्ति खाता डेबिट	150	
	To पूँजी कटौती खाता		150
	(स्वकीय सम्पत्ति के मूल्यों में वृद्धि होने पर)		
(vii)	स्वकीय सम्पत्ति खाता डेबिट	250	
	To विनियोग खाता		200
	To पूँजी कटौती खाता		50
	(विनियोग को लाभ पर विक्रय किया)		
(viii)	संचालकों का ऋण खाता डेबिट	300	
	To समता अंश पूँजी खाता (प्रति अंश 2 रू.)		90
	To पूँजी कटौती खाता		210
	(संचालकों के 70% ऋणपत्रों को माफ किया शेष राशि के लिये 2 रूपये वाले 45 लाख समता अंशो का निर्गमन किया गया)		
(ix)	पूँजी कटौती खाता डेबिट	972	
	To लाभ हानि खाता		522
	To व्यापारिक प्राप्य खाता (450 X 40%)		180
	To व्यापारिक स्कन्ध (300 X 80%)		240
	To बैंक खाता (600 X 5%)		30
	(विभिन्न सम्पत्तियों का निश्चित मूल्य, अनुबन्ध के निरस्तीकरण पर जुर्माना तथा लाभ हानि खाते का डेबिट शेष को पूँजी कटौती खाते द्वारा अपलिखित किया गया।)		
(v)	पूँजी कटौती खाता डेबिट	286	
	To पूँजी संचय खाता		286
	(योजना के अनुसार पूँजी संचय में शेष राशि का हस्तान्तरण किया)		

© The Institute of Chartered Accountants of India

¼c½ iwth dVkSrh [kkrk

fooj.k	Ykk[k e: ¼:-½	fooj.k	yk[k e:
To समता अंश पूँजी	32	By पूर्वाधिकार अंश पूँजी	80
To व्यापारिक प्राप्य	180	By समता अंश पूँजी	800
To निर्मित माल	240		
To लाभ हानि खाता	522	By स्वकीय सम्पत्ति	150
To बैंक खाता	30	To बैंक	50
To पूँजी संचय	286	To संचालकों का ऋण	210
	1290		1290

¼l½ fpVBs ij fVIif.k;k

	fooj.k	yk[k e:	yk[k e:
	<u>अंश पूँजी</u>		
	<u>अधिकृतः–</u>		
	200 लाख समता अंश 2 रू. प्रति		400
	8 लाख 8% पूर्वाधिकार अंश 80 रू0 प्रति		640
			1040
	निर्गमितः		
	161 लाख समता अंश 2 रू. प्रति		322
	4 लाख पूर्वाधिकार अंश 80 रू0 प्रति		320
	योग		642
2	<u>दृश्य सम्पत्तियाँ</u>		
	स्वकीय सम्पत्ति	550	
	घटाइयेः ऋणपत्रधारियों के भुगतान में प्रयोग	(300)	
		250	
	जोडियेः वृद्धि	150	400
	प्लाण्ट एवं मशीनरी		200
			600

Ikkij&5 mPprj y¨[kkdu

7 fuLrkjd dk vfUre ikfIr ,o Hkqxrku [kkrk

fooj.k	:-	:-	fooj.k	:-
To हस्तस्थ रोकड़	&	40,000	By निस्तारक का पारिश्रमिक एवं व्यय	5000
To सम्पत्तियों से वसूली:			By व्यापारिक देय	3,50,000
स्थायी सम्पत्तियाँ	1,68,000		By पूर्वाधिकार अंशधारी	1,00,000
स्कन्ध (1,10,000–1,00,000)	10,000		By समता अंशधारी 2000 अंश 10 रू0 वाले	20,000
देनदार	2,30,000	4,08,000		
To रोकड: 1800 समतों अंशों पर यांचना @ 15* रू.		27,000		
		4,75,000		4,75,000

fØ;kRed fVIif.k;k

प्रति समता अंश वापसी

	:-
पूर्वाधिकार अंशधारियों के भुगतान से पूर्व रोकड़ उपलब्ध (4,48,000–3,35,000)	9,3000
जोडियेः_नोशनल याचना 1800 अंश (2000–200)X 25	4,5000
	1,38,000
घटाइयेः– पूर्वाधिकार अंश पूँजी	(1,00,000)
समता अंशधारियों के लिये उपलब्ध	38,000
प्रति अंश वापसी= $\frac{38000}{3800\,(4000-200)}$ = 10 रू.	
एवं प्रति समता अंश पर हानि = (100–10) = 90 रू.	

* 1800 अंशो पर याचना @ 15 रू0 (90–75)

8 Qkel ¼c½ & vkj0,0 ¼vkbl vkj Mh , }kjk vf/kd`r½

jh;y tujy chek dEiuh fy0

31 ekp] 2017 dk lekIr gkus okys o"kZ ds fy, vkxe [kkrk

vfXu ,oa leqnzh chek 0;kikj

	vuqlwph	vfXu pkyw o"kZ :-	pkyw o"kZ :-
अर्जित प्रीमियम (शुद्ध)	1	4,27,500	1,40,000
लाभ(हानि) विकय पर/(विनियोगों का शोधन)		–	–

© The Institute of Chartered Accountants of India

अन्य (निर्दिष्ट के लिए)		–	–
ब्याज, लाभांश और किराया – सकल		–	–
योग (अ)		4,27,500	1,40,000
किये गये दावे (शुद्ध)	2	82,000	88,000
कमीशन	3	40,000	20,000
परिचालन व्यय बीमा व्यवसाय से सम्बद्ध	–	–	–
योग (ब)		1,92,000	1,58,000
अग्नि/समुद्री बीमा व्यवसाय से लाभ (अ–ब)		2,35,000	(18,000)

vkxe [kkrs ls lEcfU/kr vuqlwph

	vfXu	lewnzh
	:-	:-
अनुसूचीः		
अर्जित प्रीमियम (शुद्ध):–	–	–
वर्ष के दौरान प्राप्त प्रीमियम	4,50,000	3,30,000
जोड़िये:– 31 मार्च 2017 पर अदत्त	30,000	20,000
	4,80,000	3,50,000
घटाइयेः पुनः बीमा प्रीमियम	(25,000)	(15,000)
	4,55,000	3,35,000
घटाइये:– असमाप्त जोखिमों हेतु संचय में परिवर्तन हेतु समायोजन	27,500	1,95,000
	4,27,500	1,40,000
अनुसूची–2		
चुकाये दावे (शुद्ध):		
वर्ष के दौरान चुकाये गये दावे	1,00,000	80,000
जोडियेः 31 मार्च, 2017 पर अदत्त	10,000	15,000
	1,10,000	95,000
घटाइये:– 1 अप्रैल, 2016 पर अदत्त	(28,000)	(7,000)
	82,000	88,000

© The Institute of Chartered Accountants of India

Ikij&5 mPprj y[kkdu

अनुसूची–3		
कमीशन का भुगतान	40,000	20,000
अनुसूची–4		
परिचालन व्यय	–	–
प्रबन्ध के व्यय	–	–
वर्ष के दौरान खर्च	60,000	45,000
जोडियेः 31 मार्च, 2017 को अदत्त	10,000	5,000
	70,000	50,000

vlekIr tksf[ke lap; esa ifjorZu ds fy;s fØ;kRed fVIif.k;k

असमाप्त जोखिमों के लिये संचय	
(50% की दर से अग्नि बीमा पर)	–
प्रारम्भिक संचय (1)	2,00,000 रू.
अन्तिम संचय (4,55,000 X 50 / 100) (2)	2,27,500 रू.
संचय में अतिरिक्त हस्तान्तरण (2–1)	27,500 रू.

	:-
असमाप्त जोखिम के लिये संचय (समुद्री बीमा पर 10% की दर से)	
प्रारम्भिक संचय (1)	1,40,000
अन्तिम संचय (3,35,000 X 100 / 100) (2)	3,35,000
संचय में अतिरिक्त हस्तान्तरण (2–1)	1,95,000

9 oYFk cSd fyfeVsM

ykHk gkfu [kkrk

31 ekpZ 2018 dks lekIr gksus okys o"kZ ds fy;s

¼yk[k :- esa½

	vuqlwph	o"kZ ds vUr esa 31-03-2018
i. आयः–		
ब्याज अर्जित	13	766
अन्य आय	14	50
		816
i. व्यय		
ब्याज व्यय	15	54
परिचालन व्यय	16	468

© The Institute of Chartered Accountants of India

प्रावधान तथा संदिग्धता संदर्भ (W.N)	–	158.96
		680.96
ii. लाभ / हानि		
शुद्ध लाभ / (हानि) वर्ष के लिये	–	135.04
शुद्ध लाभ / (हानि) आगे लाये		NIL
		135.04
iii. नियोजन		
वैधानिक संचय में हस्तान्तरण (लाभ का 25%)		33.76
शेष को चिट्ठे में आगे ले गये		101.28
		135.04

vuqlwph 13& vftZr C;kt

		31-03-2018 dks lekIr o"kZ ¼yk[k :- esa½
ब्याज / छूट अग्रिम बिलों पर		
(i) नकद उधार पर ब्याज (364–84)	280	
बैंक अधिविकर्ष पर ब्याज (150–100)	50	
सावधी ऋण पर ब्याज	238	568
(i) विनियोगों पर आय	–	168
(ii) RBI में शेष पर ब्याज	–	30
		766

एन0पी0ए0 पर ब्याज को नकद आधार पर मान्यता है। इसलिये उपार्जित ब्याज के अन्तर को प्राप्त नही किया है, इसलिये इसको सम्पूर्ण उपार्जित ब्याज से कम किया गया है।

vuqlwph 14&vU; vk;

		31-03-2018 ds o"kZ ds vUr esa ¼yk[k esa½ :-
i. कमीशन, विनियम एवं दलाली:		
प्रेषण एवं हस्तान्तरण पर कमीशन	15	
लेटर आफ केडिट पर कमीशन	24	
सरकारी व्यापार पर कमीशन	16	55
ii. भूमि एवं भवन के विक्रय पर लाभ	–	5

Ikij&5 mPprj ys[kkdu

iii. विनियम लेनदेनों पर हानि	–	(10)
		50

vuqlwph 15& C;kt 0;;

			31-02-2018 dks vUr esa ¼yk[k esa½ :-
1	tek ij C;kt		
	स्थायी जमा 25	&	
	आवर्ती जमा 17	&	
	बैंक बचत खाता 12	&	54

vuqlwph 16& ifjpkyu 0;;

		31-03-2018 dks o"kZ dks vUr esa ¼yk[k esa½ :-
i. कर्मचारियों के लिये भुगतान एवं प्रावधानः		
वेतन, भत्ते एवं बोनस	248	
प्रोविडेन्ट कोष में योगदान	56	304
ii. छपाई एवं स्टेशनरी		28
iii. विज्ञापन एवं प्रचार		36
iv. संचालकों की फीस, भत्ते एवं व्यय		50
v. अंकेक्षण फीस एवं व्यय		24
vi. डाक, टेलीग्राम एवं टेलीफोन व्यय		16
vii. मरम्मत एवं रखरखाव		10
		468

fØ;kRed fVIif.k;k

vk;kstu ,oa lfnX/krk;sa		yk[k esa :-
अग्रिमों के लिये प्रावधानः		
मानक 60 X 0.40%		0.24
उप–मानक 22 X 15%		3.3
संदिग्ध लेकिन प्रतिमूतियों द्वारा सुरक्षित नही 40 X 100%		40
संदिग्ध जो प्रतिभूतियों से सुरक्षितः		
1 वर्ष से कम 6 X 25%	1.5	

1 वर्ष से अधिक परन्तु तीन वर्ष से कम	3 X 40%	1.2	
तीन वर्ष से अधिक	2 X 100%	2.0	4.7
हानि सम्पत्ति	(38 X 100%)		38
			86.24
करों के लिये प्रावधान			
= 35% X (कुल आय – कुल व्यय)			
= 35% X (816– (54 + 468 + 86.24)			
= 35% X 207.76			72.22
			158.96

¼10½ गैर–बैकिंग वित्तीय कम्पनी के अनुसार वर्गीकरण को दिखाते हुए विवरण पत्र–गैर जमा प्राप्त करने वाली कम्पनी के लिये जरूरी एवं जमा प्राप्त कम्पनी (रिजर्व बैंक) निर्देशन, 2016 के अनुसार

		Ykk[k esa
मानक सम्पत्तियां		
खाते (शेष राशि)	172.00	
400 खाते 2 माह के लिये अधिदेय	80.00	
24 खाते 3 माह के लिये अधिदेय	48.00	300.00
उप–मानक सम्पत्तियां		
4 खातों की 14 महीने से कम अवधि के लिये पहचान उप मानक में हुई		28.00
संदिग्ध देनदार		
उप–मानक के रूप में 14 माह से अधिक अवधि के लिये 6 खातों की पहचान हुई।		12.00

© The Institute of Chartered Accountants of India

उपमानक के रूप में 3 वर्ष से अधिक अवधि के लिए 4 खातों की पहचान हुई।		40.00
सम्पत्तियों की हानि		
प्रबन्धकों द्वारा एक खाते की पहचान हानि सम्पत्ति के रूप में की गई।		20.00
		–––––
कुल अधिदेय		400.00

11 शुद्व सम्पत्तियों का मूल्य म्यूचल फण्ड योजना की सभी सम्पत्तियों का प्रति इकाई बाजार मूल्य होता है। साधारण रूप से, प्रत्येक इकाई की शुद्व सम्पत्ति का मूल्य स्कीम की प्रत्येक इकाई का मूल्य होता है । अगर शुद्व सम्पत्ति का अंकित मूल्य 10 रूपये से अधिक है तो इसका मतलब आपकी धनराशि में वृद्धि हुई है या इसके विपरीत। शुद्व सम्पत्ति मूल्य में लाभांश, उपार्जित ब्याज एवं दायित्व में कमी एवं व्यय, इसके अतिरिक्त विनियोग का बाजार मूल्य। म्यूचल कोष योजना के अन्तर्गत NAV का अर्थ शुद्व सम्पत्ति होता है। NAV प्रति ईकाई का अर्थ है कि अदत्त इकाई से भाग देने पर आने वाली राशि है। बाजार मूल्य में होने वाले परिवर्तनों को पोर्टफोलियों में NAV स्कीम में रखा जाता है।

शुद्व सम्पत्ति मूल्य (NAV) की गणना निम्न है:

$$\frac{\text{समस्त म्यूचल फण्ड जो होल्डिंग में है उनका बाजार मूल्य– समस्त म्युचल कोष दायित्व}}{\text{bdkbl;k dh l[;k}}$$

12(1) 31 ekp] 2018 dks fofu;kftr iwth

¼ukV l e l nHk½

		Ykk[k e
भूमि एवं भवन		3,700

© The Institute of Chartered Accountants of India

मशीनरी		7,520
फर्नीचर एवं फिक्चर्स		2,030
पेटेण्ट एवं ट्रेडमार्क		64
स्कंध		1,746
व्यापारिक प्राप्य		1,228
हस्तस्थ रोकड़		1,092
		————————
		17,380
घटाइये : व्यापारिक देय	1136	
कर के लिये प्रावधान	44	1180
		————————
		16,200

(2) भविष्य में रखने योग्य लाभ (राशि लाख रूपये में)

	2013–14	2014–15	2015–16	2017–18
कर के पूर्व लाभ	6,380	5,000	6,216	5,800
घटाइयेः असामान्य आय विदेशी अनुबंध के कारण	(200)		–	–
जोड़ियेः भूकम्प से देय हानि	–	100	–	–

© The Institute of Chartered Accountants of India

घटाइयेः गैर–विनियोग व्यापार से आय	–	–	(108)	(108)
————————————————————	—————	—————	—————	—————
	6,180	5,100	6,108	5,692

यहां कोई ट्रेण्ड नही है, ख्याति की गणना में केवल सामान्य औसत लाभ को गणना में प्रयोग किया जाता है।

पूर्व के चार वर्षो का कुल समायोजित व्यापारिक लाभ—=(6180+5100+6108+5692)

= 23080 लाख रू.

कर के पूर्व औसत व्यापारिक लाभ = 23080 / 4 = 5,770 लाख रू.

घटाइये : संचालकों का अतिरिक्त पारिश्रमिक = (100 लाख)

= 5670 लाख

घटाइये : 35% की दर से आयकर = (1984 लाख)

= 3686 लाख रू.

(3) अधिलाभ के आधार पर ख्याति की गणना

	लाख में
भविष्य में बनाये रखने योग्य लाभ	3686
घटाइये : सामान्य लाभ (16200 लाख रू. का 20%)	(3240)
	—————————
अधिलाभ	446

तीन वर्षो के अधिलाभ क्रय के आधार पर ख्याति=3 x 446 लाख = 1338 लाख रू.

13 (1) अल्पपत हित– संस्था के समस्त सम्पत्तियों में से समस्त दायित्वों के घटाने के बाद सम्पत्ति पर अवशिष्ट समता हित अर्थात इस केस में अंश पूंजी के बराबर +लाभ हानि खाता

© The Institute of Chartered Accountants of India

	vYi er e vk/kkfjr vशkk dk प्रतिभात (E½	vf/kxg.k d le; vYii{k fgr ¼E½ x ¼A+B½	Lkefdr frfFk ij vYii{k fgr ¼E½x ¼C+D½
केस 1 (100–90)	10%	15,000	17,000
केस 2 (100–85)	15%	19,500	18,000
केस 3 (100–80)	20%	14,000	14,000
केस 4 (100–100)	NIL	NIL	NIL

अ = 1.1.2018 को अंश पूंजी

ब = 1.1.2018 को लाभ हानि खाते का शेष

स = 31.1.2018 को अंश पूंजी

द = 1.1.2018 को लाभ हानि खाते का शेष

(2) ख्याति या पूंजी संचय की गणना

	vशk/kkfjrk % (F)	Ykkxr (G)	dy lerk A+B=(H)	Lkerk e ijUV dk fgLlk (F1 x (H)	[;kfr (G) – (H)	Ikth lp; (H) – (G)
केस–1	90%	1,40,000	1,50,000	1,35,000	5,000	–
केस–2	85%	1,04,000	1,30,000	1,10,500	–	6500
केस–3	80%	56,000	70,000	56,000	NIL	NIL
केस–4	100%	1,00,000	90,000	90,000	10,000	

© The Institute of Chartered Accountants of India

Ikij&5 mPprj y[kkdu

14 लेखा मानक 7 'निर्माणी ठेके जब एक ठेके में अनेक सम्पत्तियों को सम्मिलित करता है तो प्रत्येक सम्पत्ति का निर्माण एक पृथक निर्माणी ठेके के रूप में माना जाना चाहिये जबः

अ. प्रत्येक सम्पत्ति हेतु पृथक प्रस्ताव प्रस्तत किया गया हो।

ब. प्रत्येक सम्पत्ति पृथक समझौते की विषय वस्तु है तथा ठेकेदार तथा ग्राहक प्रत्येक सम्पत्ति से सम्बन्धित ठेके के उस भाग को स्वीकार या अस्वीकार करने को समर्थ हैः

स प्रत्येक सम्पत्ति की लागतों तथा आगमों की पहचान की जा सकती है।

दिये गये केस में, प्रत्येक जोनल के पृथक आउटलेट के लिये अलग–अलग प्रस्ताव दिये गये है। जिसका पृथक रूप से समझौता किया जा सकता है तथा लागत तथा आगम की पृथक पहचान कर सकते है। इसलिये, प्रत्येक सम्पत्ति को 'एकल अनुबंध' माना जायेगा चाहे अनुबंध के लिये एकल समझौता क्यों न किया गया हो। इसलिये, जी.टी.आई. लि. की पुस्तको में तीन पृथक–पृथक अनुबंध का लेखा लेखांकित रखा जायेगा तथा प्रत्येक अनुबंध के लिए आगम एवं लागत के लिये पृथक मान्यता अनिवार्य है एवं लेखा मानक 7 के अनुसार प्रत्येक सम्पत्ति की पृथक शुद्व आय का निर्धारण किया जायेगा।

15 लेखा मानक 9 'आगम मान्यता' माल के विक्रय युक्त व्यवहारों में शामिल होता है, जब निम्न शर्ते पूर्ण होती है :

1 विक्रेता सम्पत्ति का हस्तांतरण किसी प्रतिफल के बदले में क्रेता को करता है। अधिकांश स्थितियों में, विक्रय में सम्पत्ति का हस्तांतरण करने से महत्वपूर्ण जोखिमे तथा स्वामित्व उक्त क्रेता को हस्तांतरण करते है तथा विक्रेता का हस्तांतरित सम्पत्ति तथा स्वामित्व पर किसी भी प्रकार का कोई नियंत्रण नहीं होता है।

2 वस्तु के विक्रय से उत्पन्न महत्वपूर्ण जोखिम व प्रतिफल के पुरस्कार क्रेता को हस्तांतरण होने के सम्बन्ध में कोई अनिश्चितता नहीं है।

© The Institute of Chartered Accountants of India

दिये गये केस में, सम्पत्ति में माल का हस्तांतरण परिणाम देता है या क्रेता को स्वामित्व का प्रतिफल एवं महत्वपूर्ण जोखिम हस्तांतरण जैसा होता है। विक्रेता द्वारा विक्रय मूल्य को भी वसूल कर लिया गया है। इसलिये, विक्रय पूर्ण हो चुका है इसलिये क्रेता के आग्रह पर माल की सुपुर्दगी स्थगित की गई है। राज लि0 30,00,000 रू. का सम्पूर्ण विक्रय को मान्यता देनी होगी एवं इसके किसी भी भाग को विक्रय के विरूद्व पाये गये अग्रिम के रूप में स्वीकार नहीं किया जायेगा।

16 लेखा मानक 18 के पैराग्राफ 3 (सी) के अनुसार ''व्यक्ति जो प्रतिवेदित उद्यम की मतदान में प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से अपनी रूचि रखते है जो उस उद्यम पर नियंत्रण या महत्वपूर्ण प्रभाव देता है तथा किसी ऐसे व्यक्ति से सम्बन्धित'' अतः इसके अनुसार मि.'अ' सही एस.पी.होटल लि. को सम्बन्धित पक्षकार के रूप में स्वीकार नही करेंगे। उपरोक्त उदाहरण में अंशो का स्वामित्व अनुपस्थित है। 'अ' का महत्वपूर्ण प्रभाव एस.पी.होटल लि. में स्वीकार नहीं कर सकता है जब तक कोई समझौता न किया गया हो कि मिस्टर 'अ' के पास संचालक मण्डल को निर्देशित करने की क्षमता नहीं है जिसकी वजह से वे महत्वपूर्ण प्रबन्धन व्यक्ति के रूप में कार्य नहीं कर सकते है।

17 iV~Vs dh izd`fr dk fu/kkZj.k

तृतीय वर्ष के अन्त में गैर–गारंटीशुदा अवशिष्ट मूल्य का वर्तमान मूल्य = 50,000 x .7513

= 37565 रू.

पट्टे भुगतान का वर्तमान मूल्य = 5,00,000 – 37565

= 4,62,435 रू.

पट्टे भुगतान का वर्तमान मूल्य सयन्त्र के उचित मूल्य का प्रतिशत

= (462435 / 5,00,000) x 100

= 92.487%

© The Institute of Chartered Accountants of India

Ikij&5 mPprj y[kkdu

चूंकि, पट्टा भुगतान उचित मूल्य का ज्यादा हिस्सा लेता है। इसलिये यह वित्तीय पट्टे में आता है।

अनुपार्जित वित्तीय आय की गणना

वार्षिक पट्टा भुगतान = 4,62,435 / 2.4868 = 1,85,956 (लगभग)

पट्टे में सकल विनियोग = कुल न्यूनतम पट्टा भुगतान+ गैर–गारंटीशुदा अवशिष्ट मूल्य

= (1,85,956x3) + 50,000 रूपया

= 5,57,868 + 50,000 6,07,868 रूपया

अनुपार्जित वित्तीय आय

= सकल विनियोग – न्यूनतम पट्टा भुगतान का वर्तमान मूल्य एवं गैर–गारंटीशुदा अवशिष्ट मूल्य = 6,07,868 – 5,00,000 =1,07,868 रूपया

18 लेखा मानक 20 'प्रति अंश उपार्जन' प्रति अंश अवमिश्रित आय निकालने के उद्देश्य हेतु समता अंशधारकों के लिये चिन्हित अवधि के लिये शुद्ध लाभ हानि तथा अवधि के दौरान अदत्त अंशो की भारित औसत संख्या घुलनशील समता अंशों के प्रभावों हेतु समायोजित की जानी चाहिये।

प्रति अंश अवमिश्रित आय की गणना

$$= \frac{\text{चालू वर्ष का समायोजित शुद्ध लाभ}}{\text{समता अंशो की औसत भारित संख्या}}$$

pkyw o"kZ dk fy;s lek;ksftr 'kq) ykHk

	: -
चालू वर्ष का शुद्ध लाभ (कर के बाद)	1,00,00,000
जोड़िये: चालू वर्ष के लिये ब्याज व्यय	5,00,000
घटाइये: कर सम्बन्धी ब्याज व्यय (5,00,000 X 30%)	(1,50,000)
चालू वर्ष के लिये समायोजित शुद्ध लाभ	1,03,50,000

vkSlr भारित समत अंशो की संख्या

ऋणपत्रों से परिवर्तन होने के परिणाम स्वरूप समता अंशों की संख्या

$$= \frac{1,00,000 \times 100}{10} = 10,00,000 \text{ समता अंश}$$

© The Institute of Chartered Accountants of India

प्रति अंश अवमिश्रित आय की गणना में प्रयोग होने वाले औसत मारित समता अंशों की संख्या

= (10,00,000 X 12) + (10,00,000 X 6) / 12 = 15,00,000 समता अंश

अवमिश्रित प्रति अंश आय = 1,03,50,000 / 15,00,000 अंश = 6.90 प्रति अंश

19 लेखा मानक 26 'अमूर्त सम्पत्तियां', अमूर्त मदों पर किये गये व्यय को व्यय के रूप में तभी मान्यता दी जायेगी जब वह अमूर्त सम्पत्ति के मूल्य का लागत हिस्सा हो''

इस केस में 3 करोड़ रू का विज्ञापन पर व्यय नये उत्पाद के विपणन के लिये किया गया है जिसमें भविष्य में उद्यम को 37.5 करोड़ रू0 का विक्रय होने के कारण भविष्य में आर्थिक लाभ होगा। यहाँ कोई अमूर्त सम्पत्ति नही है या कोई अन्य सम्पत्ति का अधिग्रहण नही किया गया ना ही निर्माण किया गया है जिसको मान्यता दी जाये।

इसलिये, कम्पनी द्वारा विज्ञापन पर किया गया सम्पूर्ण 3 करोड रू. का व्यय को जो लाभ हानि खाते में डेब्टि किया गया है यह व्यवहार कम्पनी का बिल्कुल सही है।

20 ys[kk ekud 29 ^^izko/kku] vkdfLed nkf;Ro ,oa vkdfLed lEifÙk;k¡^^ किसी प्रावधान को मान्यता दी जानी चाहिये जब

(अ) किसी संस्था के पास पूर्व घटना के परिणामस्वरूप वर्तमान है।

(ब) यह संभावित है कि बाहयता के निपटान में, आर्थिक लाभ वाले संसाधनों के बाह्मय की आवश्यकता होगी।

(स) दायित्व की राशि का विश्वसनीय अनुमान लगाया जाये।

यदि ये शर्ते पूरी नही होती है तो किसी प्रावधान की मान्यता की आवश्यकता नही है।

दी गई दशा में, कम्पनी के संचालकों की राय है कि दावे का कम्पनी द्वारा सफलता पूर्वक विरोध किया जा सकता है। इसलिये, किसी प्रकार साधनों का बाह्मय प्रवाह नही होगा, इसलिये किसी प्रावधान की आवश्यकता नही है। कम्पनी अपने सम्भावय दायित्व के रूप में टिप्पणी के रूप में अभिव्यक्त करेगी।

''कम्पनी के विरूद्ध याचिका चल रही हैं जिसमें प्रतियोगी फर्म ने आरोप लगाया है कि कम्पनी ने उसके कापीराईट का अतिक्रमण किया है जिसके लिये 200 लाख रू. हर्जाना की मांग कर रहा है। जिसके सम्बन्ध में संचालकों की राय है कि दावे का कम्पनी द्वारा सफलता पूर्वक विरोध किया जा सकता है।''

© The Institute of Chartered Accountants of India